# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -25 | नवम्बर - II - 2023 | अंक - 16 | माउण्ट आबू | Rs.-12


ब्रह्माकुमारीज़ के ओआरसी रिट्रीट सेंटर में शिक्षाविदों का तीन दिवसीय सम्मेलन

# शिक्षा नीति में आध्यात्मिकता द्वारा होगा सर्व समस्याओं का समाधान

**ओआरसी-गुरुग्राम।** शिक्षक के सशक्त होने से ही समाज सशक्त हो सकता है। सशक्तिकरण का मूल केन्द्र आध्यात्मिकता है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में शिक्षाविदों के लिए आयोजित तीन दिवसीय सेमिनार के समापन सत्र में **राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सलाहकार, परामर्शदाता एवं श्री पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. श्रीहरि होनवाड़** ने व्यक्त किए। 'एजुकेटर्स क्रिएटिंग फ्यूचर लीडर्स' विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय आध्यात्मिक सशक्तिकरण की अत्यधिक आवश्यकता है। यदि हम कल के लिए एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना चाहते हैं तो हमें शिक्षा में मूल बदलाव करने होंगे।

**शिक्षक का कार्य केवल सूचना प्रदान करना नहीं बल्कि अपने आदर्श व्यक्तित्व से प्रेरित करना भी है**

गुरुग्राम, नॉर्थ कैप के प्रो. वाइस चांसलर प्रेम व्रत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के सहयोग से उन्होंने विश्वविद्यालय में एक वैचारिक प्रयोगशाला स्थापित की है। जिसके बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक का कार्य सिर्फ सूचना देना नहीं बल्कि अपने आदर्श व्यक्तित्व से भी प्रेरित करना है।

**जो भी कार्य करें उसमें ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता ज़रूरी है**

हनुमानगढ़, खुशाल दास विश्वविद्यालय की कार्यकारी निदेशक डॉ. शशि मोरोलिया ने कहा कि समाज में शिक्षक की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। शिक्षा में नैतिक मूल्य ज़रूरी हैं। हमारी सबसे बड़ी लड़ाई खुद से है। हम जो भी कार्य करें, उसमें ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता हो।

**ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन** ने कहा कि भारत ही आध्यात्मिकता का जन्मदाता है। इसलिए आवश्यकता है, आत्मिक दृष्टिकोण अपनाने की। अपने मौलिक गुणों और स्वभाव का अनुभव करना ही आध्यात्मिकता है। **महाराष्ट्र से संस्था के शिक्षा प्रभाग की संयोजिका ब्र.कु. वसंती दीदी** ने कहा कि धर्म का वास्तविक अर्थ धारणा है। आध्यात्मिकता हमारी उन्हीं धारणाओं को जागृत करती है। **जीडी गोयनका विश्वविद्यालय की डीन डॉ. अनुराधा** ने कहा कि यहां आने से ही उन्हें लगा कि वो एक नई दुनिया में आ गईं। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या यही है कि हम भगवान से संबंध नहीं जोड़ पाते। लेकिन यहां के वातावरण में उन्हें वो आनंद मिला कि जैसे वो ईश्वर से जुड़ गई हों। **एमिटी विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. संजय झा** ने कहा कि आज हम सब मानव तो हैं लेकिन मानवीय गुणों का अभाव है। इसलिए आवश्यकता है, मानवीय गुणों से युक्त मानव निर्माण करने की। मानव मूल्यों की शिक्षा ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान दे रहा है। **एमएसएमई के निदेशक रवि नंदन सिन्हा** ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के साथ का अनुभव साझा किया, और कहा कि विश्व योग दिवस के साथ-साथ विश्व आध्यात्मिक दिवस मनाने की भी ज़रूरत है। कार्यक्रम में करोल बाग सेवाकेन्द्र की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी व मुंबई से आए मोटिवेशनल स्पीकर प्रो. ईवी गिरीश ने भी अपने विचार रखे।

## सम्मेलन में...

- पैनल डिस्कशन के माध्यम से शिक्षा में गुणवत्ता का समावेश एवं एथिकल डिलेमा जैसे विषयों पर हुई चर्चा
- ओम शांति रिट्रीट सेंटर में शिक्षा में सुधार पर हुई चर्चा
- राजयोग के विभिन्न सत्रों के माध्यम से समझाई गई ईश्वरीय ज्ञान की बारीकियां
- राजयोग विचार प्रयोगशाला का भी किया आयोजन
- विभिन्न स्टाल्स में मन की एकाग्रता, धैर्यता, प्रेम, शांति और परमधाम की अनुभूति के आधार पर गेम्स बनाए गए

सेवाकेन्द्र की 21वीं वर्षगांठ पर...

## आध्यात्मिक ऊर्जा अथक व निरन्तर कार्य के लिए प्रेरित करती : सांसद

**वडोदरा-अटलादरा(गुज.)।** नवनियुक्त मेयर पिंकी सोनी, डेप्युटी मेयर चिराग बारोट एवं स्टैंडिंग कमेटी अध्यक्ष डॉ. शीतल मिस्त्री के सम्मान एवं अटलादरा सेवाकेन्द्र की संचालिका राजयोगिनी डॉ. ब्र.कु. अरुणा दीदी को उनकी 30 वर्षों में की गई आध्यात्मिक एवं सामाजिक सेवाओं के लिए आईटीएम वोकेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा दी गई डॉक्टरेट इन लिटरेचर की उपाधि के लिए सम्मान के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपने विचार व्यक्त करते हुए मेयर पिंकी ने कहा कि सचमुच यहां मैं गहन शांति के अनुभव से भाव विभोर हो रही हूँ। उन्होंने ये भी कहा कि मैं पहले भी राजयोग कोर्स कर चुकी हूँ और अब दुबारा अपने परिवार के साथ राजयोग कोर्स करूंगी। स्टैंडिंग कमेटी अध्यक्ष शीतल मिस्त्री ने कहा कि यहाँ के आध्यात्मिक वातावरण में आकर मैं खुद को भाग्यशाली अनुभव कर रहा हूँ और एक आनंद की अनुभूति कर रहा हूँ। सुख और दुःख की स्थिति समय के साथ बदलती रहती है, लेकिन आनंद- सुख-दुःख दोनों ही स्थितियों में हमारी एक समान प्रसन्न मनोदशा का नाम है। ऐसी सम अवस्था हम राजयोग द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। माननीय सांसद रंजन भट्ट ने कहा कि राजयोग द्वारा मैं जिस आध्यात्मिक ऊर्जा का यहां अनुभव करती हूँ वह मुझे अथक एवं निरंतर कार्य में तत्पर रहने की शक्ति देती है। आईटीएम यूनिवर्सिटी वाइस चांसलर डॉ. अनिल बिसेन ने राजयोग से विकसित हुई संकल्प शक्ति के प्रयोग द्वारा कैसे हम किसी बड़े और कठिन कार्य को भी सहजता पूर्वक कर सकते हैं इस संदर्भ में अपना सुंदर अनुभव सुनाया। जिसके पश्चात् सेवाकेन्द्र सह संचालिका ब्र.कु. पूनम ने कार्यक्रम में आये सभी मेहमानों का धन्यवाद किया।

**आईटीएम वोकेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा दी गई डॉक्टरेट इन लिटरेचर की उपाधि**

# माइंड-बॉडी-मेडिसिन 48वीं नेशनल कान्फ्रेंस का सफल आयोजन

**शांतिवन।** ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन परिसर में मेडिकल विंग की ओर से 48वीं माइंड बॉडी मेडिसिन में अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी दीदी ने कहा कि सभी डॉक्टर्स आज से खुद को मानकर चलें कि मैं फरिश्ता हूँ, मैं एंजेल हूँ, फरिश्तों को कभी टेंशन या तनाव नहीं होता है। हम जैसा सोचते हैं, वैसा बन जाते क्योंकि संकल्प से सृष्टि बनती है। इसलिए अपनी दिनचर्या से नकारात्मक शब्दों को हटा दें। जब तक हम अच्छा बनने, श्रेष्ठ बनने के बारे में सोचेंगे नहीं, संकल्प नहीं करेंगे, अच्छा सुनेंगे-पढ़ेंगे नहीं तो फिर अच्छा कैसे बनेंगे! श्रेष्ठ, पॉज़िटिव संकल्प करेंगे तो ही श्रेष्ठ बनेंगे। प्रत्येक कर्म की शुरुआत संकल्प से होती है। अगर आपका माइंड पॉवरफुल, स्ट्रॉन्ग और पॉज़िटिव एनर्जी से भरपूर रहेगा तो आपके संपर्क में आने वाले मरीजों को भी पॉज़िटिव वायब्रेशन फील होंगे। महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि दुनिया में शांति अध्यात्म से ही आएगी। मीडिया निदेशक ब्र.कु. करुणा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय में ज्ञान शिक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्डा ने कहा कि हम सभी शरीर को मजबूत बनाने के लिए तो एक्सरसाइज़ करते हैं, जिम जाते हैं लेकिन मन को शक्तिशाली बनाने पर ध्यान नहीं देते हैं। नेपाल के हेल्थ साइंसेस हॉस्पिटल के डॉ. विकास ने कहा कि आज डॉक्टर के लिए शरीर के ज्ञान के साथ माइंड का ज्ञान होना बहुत ज़रूरी है। आंध्रप्रदेश के एचआरडी कमेटी चेयरमैन सत्यनारायण राजू ने कहा कि सभी डॉक्टर इस कॉन्फ्रेंस का भरपूर लाभ लें। स्वागत भाषण विंग के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. डॉ. बनारसी ने दिया। भोपाल की डॉ. ब्र.कु. प्रियंका ने राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराई। नवजीवन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. बृजेश सिंघल,ग्वालियर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन ब्र.कु. श्रीनिधि ने किया।

**अपने को शक्तिशाली बनाने के लिए रोज़ करें ये सात संकल्प : शिवानी**

शिवानी दीदी ने सभी को संकल्प कराया कि आज से रोज़ सुबह, शाम और बीच-बीच में दिन में संकल्प करें कि मैं शांत स्वरूप आत्मा हूँ, मैं ज्ञान स्वरूप आत्मा हूँ, मैं प्रेम स्वरूप आत्मा हूँ, मैं सुख स्वरूप आत्मा हूँ, मैं शक्ति स्वरूप आत्मा हूँ, मैं पवित्र स्वरूप आत्मा हूँ, मैं आनंद स्वरूप आत्मा हूँ... जब इन संकल्पों को रोज़ मन में बार-बार दोहराएंगे तो आत्मा के मूल संस्कार जागृत होने लगेंगे। आत्मा की पॉवर बढ़ने लगेगी। मस्तिष्क बलशाली होने लगेगा।